जे. बी. श्रुति सागर

कर्नाटक वाद्य संगीत – बाँसुरी

9 दिसंबर 1988 को तमिलनाडु के चेन्नई में जन्मे, श्री जे.बी. श्रुति सागर ने श्री बी.वी. बालासाई तथा श्री एस. सुंदर से कर्नाटक वाद्य संगीत (बांसुरी) का प्रशिक्षण प्राप्त किया। आपने स्वर अर्थात गायन संगीत में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

श्री जे. बी. श्रुति सागर को सी. सी. आर. टी. छात्रवृत्ति के अलावा भारत सरकार से यंग अचीवर्स स्कॉलरशिप तथा श्री शन्मुखानंद फाइन आर्ट्स, मुंबई से एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी फैलोशिप मिल चुकी है। आपने देश–विदेश में आयोजित विभिन्न प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी है।

श्री श्रुति सागर को कई उपाधियाँ और पुरस्कार मिले हैं, जिनमें युवा कला भारती से मिला भारत कलाचार (2010), भारतीय विद्या भवन द्वारा भवन सांस्कृतिक पुरस्कार (2012)य कल्कि कृष्णमूर्ति मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा दिया गया कल्कि कृष्णमूर्ति पुरस्कार (2015); तथा 2016 में कृष्ण गणसभा द्वारा उत्कृष्टता यज्ञरमन पुरस्कार शामिल हैं।

कर्नाटक वाद्य संगीत (बांसुरी) के क्षेत्र में विशिष्ट प्रतिभा को रेखांकित करते हुए श्री जे.बी. श्रुति सागर को संगीत नाटक अकादेमी द्वारा वर्ष 2018 के लिए उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।